परिवार विषयक साम्यवाद की विशेषताएँ

प्लेटो के परिवार अथवा स्त्री-विषयक साम्यवाद की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं:-

1. यह व्यवस्था केवल अभिभावक वर्ग के लिए ~~के लिए~~ क्योंकि राज्य की एकता और सुदृढ़ता के लिए प्लेटो केवल इसी वर्ग का स्वार्थरहित तथा सार्वजनिक हित के प्रति सजग एवं कर्तव्य परायण होना आवश्यक मानता है। वह इसे व्यवस्था को उत्पादक वर्ग पर नहीं लागू करता है।

2. यह सम्पत्ति विषयक साम्यवाद का पूरक है। वह इस बात से पूर्णतः अवगत था कि परिवार का अस्तित्व निजी सम्पत्ति को अनिवार्य बना देती है। यह आर्थिक और सामाजिक न होकर पूर्णतः राजनीतिक है अभिभावक वर्ग को ईमानदार, कर्तव्य परायण तथा सार्वजनिक हित के प्रति समर्पित बनाने के लिए प्लेटो इसकी कल्पना करता है।

3. सम्पत्ति संबंधी साम्यवाद की तरह ही इसकी भी वह मनोवैज्ञानिक, दार्शनिक तथा राजनीतिक व्यावहारिक आधारों पर परिकल्पना करता है।

परिवार विषयक साम्यवाद के लक्षण अथवा उद्देश्य

प्लेटो के निम्नलिखित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए परिवार विषयक साम्यवाद की परिकल्पना की-

1. अभिभावक वर्ग को परिवार के बंधन और मोह से मुक्त करने के लिए उसने इसकी परिकल्पना की ताकि वे संकीर्ण मनोवृत्ति और स्वार्थ की भावना के ऊपर आकर सार्वजनिक हित में कार्य कर सकें। प्लेटो की यह धारणा थी कि परिवार व्यक्ति में संकीर्णता और स्वार्थ की प्रबल भावना पैदा करता है।

Scanned with CamScanner

2. वह राज्य की एकता और सुदृढ़ता के लिए अभिभावक वर्ग को त्यागी और निःस्वार्थी होना आवश्यक मानता है। परिवार का बंधन और मोह उन्हें इन गुणों से वंचित करता है। इसके परिणामस्वरूप वर्ग में संघर्ष होगा, जिसका राज्य की एकता और सुदृढ़ता पर घातक प्रभाव पड़ेगा। इसे समाप्त कर राज्य की एकता सुदृढ़ करने के लिए उसने परिवार विषयक साम्यवाद की परिकल्पना की। बार्कर के अनुसार परिवार के उन्मूलन का दिन राज्य की एकता के प्रारम्भिक व्यक्ति की स्वतंत्रता तथा राज्य और व्यक्ति के लिए व्यक्ति के लिए न्याय का दिन होगा।
(The day of its abolition will be the day of the inauguration of Unity for the State, of liberty for the individual and of Justice for both.)

3. अभिभावक वर्ग की नारियों की स्वतंत्रता तथा इस वर्ग के पुरुषों के उसकी समानता के लिए भी उसने इसकी परिकल्पना की। वह नारी स्वतंत्रता तथा नारी पुरुष समानता का प्रबल समर्थक था, परन्तु यहाँ यह बात उल्लेखनीय है कि उसका यह सिद्धान्त केवल अभिभावक वर्ग और नारियों के लिए था। परिवार को वह नारियों की स्वतंत्रता और समानता के लिए घातक मानता था। इस वर्ग की नारियाँ भी शासक वर्ग में भाग ले सकें, इसके लिए उसने इस साम्यवाद की परिकल्पना की।

4. श्रेष्ठ संतानों की प्राप्ति परिवार विषयक साम्यवाद का अंतिम उद्देश्य है। प्लेटो अभिभावक वर्ग के नर-नारियों को परिवार से वंचित तो करता है, परन्तु वह उनके सहवास पर रोक नहीं लगाता। वह पुरुष और स्त्री के बीच सहवास को प्राकृतिक मानता है। अभिभावक वर्ग के संबंध में उसकी मान्यता है कि इस वर्ग के सभी पुरुष और स्त्री एक दूसरे से सहवास कर सकते हैं। कोई किसी का न तो निजी पति होगा न कोई किसी की निजी पत्नी। इस संबंध में उनका एक प्रतिबंध है कि उनके बीच उचित वस्तु में तथा उचित समय पर सहवास होना चाहिए ताकि श्रेष्ठ संतान की प्राप्ति हो सके। वह इसे जन्म की पूर्व की शिक्षा अवस्था भी मानता है। इसका कहना है कि "जन्म के पूर्व की शिक्षा प्रारंभ हो जानी चाहिए।"
(Education should begin before birth)

Scanned with CamScanner